गुरु सुशांत महापात्र ‘गुरु ब्रह्मा अवार्ड’ से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

10 जून, 2022 को ओडिशा के जगन्नाथपुरी में आयोजित एक कार्यक्रम में झारखंड राज्य के सरायकेला छऊ नृत्य शैली का मुखौटा तैयार करने वाले वरीय कलाकार गुरु सुशांत महापात्र को ‘गुरु ब्रह्मा अवार्ड’ दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- ओडिशा के कल्चरल डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से आयोजित इंटरनेशनल मेगा डांस फेस्टिवल ‘अप्सरा-2022’ में हाईटेक ग्रुप के चेयरमैन डॉ. तिरुपति पाणिग्रिही ने अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र देकर महापात्र को सम्मानित किया।
- गुरु सुशांत महापात्र द्वारा बनाए गए छऊ मुखौटे की प्रदर्शनी देश-विदेश में लगाई जा चुकी है, उनके द्वारा तैयार किये गए सरायकेला शैली छऊ मुखौटे का प्रदर्शन सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि अमेरिका के न्यूयॉर्क, बर्लिन, वियाना के अलावा देश की राजधानी दिल्ली सहित मुंबई, कोलकाता एवं अन्य बड़े शहरों मे किया जा चुका है।
- गुरु सुशांत महापात्र द्वारा निर्मित मुखौटा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भेंट किया जा चुका है।
- विदित है कि वर्ष 1925 में उनके बड़े पिताजी प्रशन्न कुमार महापात्र ने सरायकेला शैली छऊ के लिये पहला आधुनिक मुखौटा तैयार किया था।
- सुशांत महापात्र ने 8 वर्ष की उम्र में ही अपने बड़े पिताजी (गुरु प्रशन्न महापात्र) की प्रेरणा से मुखौटा का निर्माण शुरू किया था। इसके पश्चात् इस मुखौटा का प्रचलन बढ़ने लगा और अब यही मुखौटा की सरायकेला शैली छऊ नृत्य की पहचान बन गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/guru-sushant-mohapatra-honoured-with-guru-brahma-award